SSC FOUNDATION
सम्यान 1.0 बैच
CONSTITUTION
FUNDAMENTAL RIGHTS
(मौलकि अधकिार)
समय से तैयारी, समय से सफलता
DAILY LIVE : 12 PM
BY-PAWAN SIR
airGurukul

WELCOME TO

airGurukul

Preparing Bharat, Empowering Futures

airGurukul Institute for Career Growth

www.airgurukul.com

Powered by **Prince Edutech Private Limited**

⚠️ Disclaimer ⚖️

This presentation, lecture, and all related study materials have been created and published by airGurukul Institute for Career Growth, a unit of ***Prince Edutech Private Limited***, for educational and informational purposes only. While every effort has been made to ensure the accuracy and reliability of the content, airGurukul does not guarantee that the information is absolutely current or free from error. Examination patterns, syllabus, and official notifications are subject to change by respective authorities, and students are strongly advised to verify details from official sources before making any decisions.

All third-party materials including logos, questions, references, or data used within this content are solely for educational illustration and fair-use academic discussion. Their ownership and copyrights remain with their respective owners. airGurukul shall not be held liable for any loss, damage, or consequence arising directly or indirectly from the use of this information.

By attending this session, viewing this content, or using the provided materials, the viewer acknowledges and agrees to this disclaimer. Unauthorized recording, copying, or redistribution of this content in any form is strictly prohibited.

मौलिक अधिकार / Fundamental Rights

Fundamental Rights are those basic rights guaranteed by the Constitution to every citizen of India, which are enforceable by the courts. They ensure the overall development, freedom, and equality of individuals, and place limitations on the State so that it cannot encroach upon the liberty of citizens.

मौलिक अधिकार वे अधिकार हैं जो प्रत्येक नागरिक को संविधान द्वारा प्रदत्त (दिए गए) हैं और जिनकी सुरक्षा न्यायालय द्वारा की जाती है। ये अधिकार व्यक्ति के सर्वांगीण विकास, स्वतंत्रता और समानता की गारंटी देते हैं तथा राज्य को इस सीमा में बाँधते हैं कि वह नागरिकों की स्वतंत्रता का हनन न कर सके।

ब्रिटेन में कोई लिखित संविधान नहीं है, लेकिन
Magna Carta (1215)- KING JOHN
Bill of Rights (1689) और
Rule of Law जैसे सिद्धांतों ने अधिकारों की नींव रखी

French Revolution के दौरान Declaration of the Rights of Man and of the Citizen (1789) आया।
इसमें Liberty, Equality, Fraternity (स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व) के सिद्धांत घोषित किए गए।
- यह भी मौलिक अधिकारों की प्रेरणा का बड़ा स्रोत रहा।

Bill of Rights (1791) → यह पहला लिखित संविधान था जिसमें नागरिकों के मौलिक अधिकारों का स्पष्ट उल्लेख किया गया।
•इसमें नागरिकों को स्वतंत्रता (Freedom of Speech, Religion, Press, Assembly),
•सुरक्षा (Protection against arbitrary arrest), और न्याय (Due Process of Law) जैसे अधिकार दिए गए।
- इसलिए कहा जाता है कि “Fundamental Rights का जन्म अमेरिका में हुआ।”

भारत में मौलिक अधिकारों की माँग

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (Indian National Congress – 1895)
कांग्रेस ने "Constitution of India Bill, 1895" / स्वराज्य विधेयक, 1895 जारी किया।
इसमें नागरिकों के मौलिक अधिकारों (Fundamental Rights) की माँग पहली बार रखी गई।

Commonwealth of India Bill, 1925-Annie Besant ने भारत के लिए **Dominion Status** और **Fundamental Rights** की माँग को औपचारिक रूप से दुनिया के सामने रखा।

नेहरू रिपोर्ट (Nehru Report, 1928)
मोतिलाल नेहरू की अध्यक्षता में यह रिपोर्ट तैयार हुई।
इसमें मौलिक अधिकारों का स्पष्ट उल्लेख किया गया, जैसे –
- वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता
- धर्म की स्वतंत्रता
- समानता का अधिकार
- संघ बनाने की स्वतंत्रता

यह भारत में मौलिक अधिकारों की सबसे ठोस माँग मानी जाती है।

अध्यक्ष :- सरदार वल्लभ भाई पटेल

करांची अधिवेशन (Karachi Session of Congress, 1931)

मूल अधिकार प्रस्ताव [illegible] – पंडित जवाहरलाल नेहरू

यहाँ "Fundamental Rights and Economic Programme" पारित हुआ।
इसमें नागरिकों और श्रमिकों के अधिकारों को मान्यता देने की माँग की गई।

सप्रू समिति (Sapru Committee Report, 1945) ने भी मौलिक अधिकारों की सिफारिश की।
संविधान सभा ने इन माँगों को स्वीकार किया और भाग-3 (Part III, Articles 12–35) में मौलिक अधिकारों को शामिल किया।

मौलिक अधिकार समिति और उप-समिति (Committee & Sub-Committee on Fundamental Rights)

Committee- Sardar Vallabh Bhai Patel
Sub-Committee – J.B Kriplani

भाग-3

Part III of the Indian Constitution (Fundamental Rights / मूल अधिकार)

- Articles (अनुच्छेद): 12 से 35 तक
- Nature (स्वरूप): Justiciable Rights (न्यायालय द्वारा लागू किए जा सकने वाले अधिकार)
- Objective (उद्देश्य): नागरिकों की स्वतंत्रता, समानता और गरिमा की रक्षा करना।

मौलिक अधिकारों का स्रोत (Sources of Fundamental Rights in Indian Constitution)

CONSTITUTION OF USA-1789 (USA – Bill of Rights, 1791)

विचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता (Freedom of Speech & Expression)

सभा और संगठन की स्वतंत्रता (Freedom of Assembly & Association)

धर्म की स्वतंत्रता (Freedom of Religion)

संवैधानिक उपचार का अधिकार (Right to Constitutional Remedies)

मूल संविधान में वर्णित मौलिक अधिकार (Fundamental Rights in Original Constitution, 1950)

26 Jan 1950

7 प्रकार के मूल अधिकार

- समानता का अधिकार (Right to Equality) – अनुच्छेद 14-18
- स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom) – अनुच्छेद 19-22
- शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation) – अनुच्छेद 23-24
- धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion) – अनुच्छेद 25-28
- सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार (Cultural and Educational Rights) – अनुच्छेद 29-30
- संपत्ति का अधिकार (Right to Property) – अनुच्छेद 19(1)(f) & 31
- संवैधानिक उपचार का अधिकार (Right to Constitutional Remedies) – अनुच्छेद 32

THANK YOU

airGurukul

Preparing Bharat, Empowering Futures

airGurukul Institute for Career Growth

www.airgurukul.com

Follow Us |

Powered by **Prince Edutech Private Limited**